केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 43 बुधवार 4 सितम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सन्तोष चौहान हत्याकाण्ड के दो आरोपी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

नगर बाजार (बस्ती) । नगर व स्वाट टीम ने नगर थाना क्षेत्र के कोठवाभरतपुर में हुए संतोष कुमार चौहान हत्याकांड में नामजद फरार चल रहे दोनों आरोपियों को मुखबिर की सूचना पर अमहट पूल के पास कोठवाभरतपुर मार्ग पर स्थित शराब के ठेके के पास से गिरफ्तार किया गया है।क्षेत्राधिकारी कलवारी प्रदीप कुमार त्रिपाठी ने प्रेस कांफ्रेंस कर घटना का खुलासा किया।

पुलिस के पूछताछ मे गिरफ्तार दोनो अभियुक्तों ने बताया कि चन्दू चौहान के मोबाइल की चोरी की बात को लेकर चन्दू चौहान व राकेश चौहान शराब के नशे में संतोष चौहान के घर गए और कहा कि तुमने हमारा मोबाइल चुराया है ।यह कहकर वह लोग उसे अपने साथ ले जाकर पहले गाँव में स्थित शराब के ठेके पक तूनों ने शराब पी उसके बाद तीनों एक साथ कोठवाभरतपुर में स्थित स्कूल के पास सागौन के बाग के पास स्थित बाँस के कोठी के पास पहुँचे और मोबाइल के चोरी की बात को लेकर संतोष से झगड़ा करने लगे तभी तैश में आकर चंदू चौहान ने संतोष का टी शर्ट निकाल कर उसी से उसका गला कस दिया व राकेश चौहान संतोष चौहान के पैर को दबा रखा था ताकि वह भाग न सके। जिसके आधार पर दोनो अभियुक्त चन्दू चौहान पुत्र हरिराम चौहान साकिन कोठवाभरतपुर थाना नगर जनपद बस्ती व राकेश चौहान पुत्र जगदीश चौहान निवासी कोठवाभरतपुर थाना नगर जनपद बस्ती को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया गया जहाँ से उन्हें जेल भेज दिया गया है ।

संतोष कुमार चौहान की हत्या मे गिरफ्तार मुख्य अभियुक्त चंदू चौहान व हत्या मे साथ रहे राकेश अब पछता रहे हैं।उन्होंने बताया कि नशे व गलत फहमी में गलती से हत्या हो गई।चंदू ने बताया कि शराब के नशे मे उसे होश नहीं रहा कि वह मोबाइल दूसरे के पास गिरवीं रखा है। नशा में होने की वजह से उसे होश नहीं रहा कि मोबाइल संतोष ने नहीं चुराया है बल्कि उसने खुद दूसरी जगह गिरवी रखकर भूल गया था। गलत फहमीं में गलती से हत्या हो गई। गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी नगर देवेंद्र सिंह, उप निरीक्षक मुस्तफा हुसैन,स्वाट टीम प्रभारी उमा शंकर त्रिपाठी, हेमंत सिंह,रमेश चौहान, पवन तिवारी,अवनीश सिंह,किशन सिंह,अभिलाष सिंह, सुभेन्द्र तिवारी,अमित कुमार यादव,रमेश यादव शामिल रहे।

युवक घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती) ।लालगंज थाना क्षेत्र के खिरियहवां गाँव निवासी अनिल 28 वर्ष जो कि बाइक से किसी निजी कार्य से महादेवा बाजार जा रहे थे कि महादेवा की तरफ से आ रही बस्ती महुली मार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से हटवा सोभनपार तिराहे के पास गंभीर रूप से घायल हो गए ।स्थानीय लोगों द्वारा स्वजनों को बुला कर निजी साधन से अनिल को जिला अस्पताल बस्ती पहुंचाया गया।

ग्राम पंचायतों में हुई खुली बैठक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। विकास खंड बनकटी के कई गाँवों में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण सर्वे २०२४ के तहत खुली बैठक की गई। जिसमें ग्राम पंचायत अहिरौली, भैंसा पाण्डेय, ससना खान्ता,खारका, पगार खास,डड़वा काँची, भिटहा, सिरौता,रौतापार, खरवनिया, कराहपिठिया, थरौली, ईटहर, मेंहडा, हल्लौर नगरा, नेवारी, खोरियाँ, घुघसा, दतुआखोर, चोलखरी, देवमी, डड़वा लगुनी, धौरहरा, गोचना, पिकौरा शुक्ल, मोखर, आमकोईल, सजहरा,पिपरा,सोभनपार,बाघापार बजरा,सिकरा खुर्द, छितरनी, अरईलदीगरपट्टी, सिसवापांडेय, बारियाँ, महादेवा सहित ग्राम पंचायत के भवनों,विद्यालय में रोस्टर के अनुसार खुली बैठक की गई ।जिसमें सचिवों ने पात्रता के नए नियमों की जानकारी दी।बैठक में मुख्य रूप से एडीओ पंचायत आशुतोष पटेल,सचिव प्रमोद मिश्रा सहित लोग मौजूद रहे।

1 लाख 45 हजार करोड़ के रक्षा सौदों को मंजूरी

नई दिल्ली (आभा)। सरकार ने सशस्त्र सेनाओं की क्षमता बढ़ाने और आधुनिकीकरण के लिए करीब 1 लाख 45 हजार करोड़ रुपये के रक्षा सौदों को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को यह फैसला लिया गया। रक्षा खरीद परिषद ने एक लाख 44 हजार 716 करोड़ रुपये की राशि के 10 पूंजी खरीद प्रस्तावों पर अपनी मुहर लगाई। इन सौदों की कुल लागत का 99 प्रतिशत देश में ही डिजाइन, विकसित और निर्मित श्रेणी का होगा। इनमें सेना के टैंक बेड़े के आधुनिकीकरण के लिए फ्यूचर रेडी कॉम्बैट व्हीकल्स (थ्व्ब्ट) की खरीद का प्रस्ताव भी शामिल है। एफआरसीवी बेहतर गतिशीलता, सभी इलाकों में काम करने की क्षमता, बहुस्तरीय सुरक्षा, सटीक और घातक आग पर काबू पाने वाले उपकरणों से लैस मुख्य युद्धक टैंक है।

परिषद ने एयर डिफेंस फायर कंट्रोल रडार की खरीद के लिए भी मंजूरी दी है, जो हवाई लक्ष्य का पता लगाएगा। साथ ही, यह ट्रैक करने के साथ–साथ फायरिंग करने में भी सक्षम होगा। फॉरवर्ड रिपेयर टीम की खरीद के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है जिसमें मशीनीकृत ऑपरेशन के दौरान इन–सीटू मरम्मत करने के लिए उपयुक्त क्रॉस कंट्री गतिशीलता है। यह उपकरण बख्तरबंद वाहन निगम लिमिटेड की ओर से डिजाइन और विकसित किया गया है। यह मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री बटालियन और बख्तरबंद रेजिमेंट दोनों के लिए मंजूर किया गया है।

भारतीय तट रक्षक की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए जरूरतों के आध ाार पर खरीद के 3 प्रस्ताव मंजूर किए गए हैं। डोर्नियर–228 विमान खराब मौसम की स्थिति में उड़ान भरने में सक्षम हैं। साथ ही, अगली पीढ़ी के तेज–तर्रार और उन्नत तकनीक व लंबी दूरी के संचालन वाले अपतटीय गश्ती जहाजों की खरीद होगी। इससे तटरक्षक बल की निगरानी, घ्घ्गश्त करने की क्षमता, खोज व बचाव और आपदा राहत अभियान चलाने की क्षमता मजबूत होगी।

सर्राफा, स्वर्ण व्यवसाइयों ने मुख्यमंत्री को भेजा 5 सूत्रीय ज्ञापनः सुरक्षा, शस्त्र लाइसेंस दिलाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सर्राफा एवं स्वर्ण व्यवसाई संघ ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को 5 सूत्रीय ज्ञापन देकर सुरक्षा की मांग किया।

मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन के माध्यम से सर्राफा एवं स्वर्ण व्यवसाई संघ जिलाध्यक्ष कुन्दनलाल वर्मा ने मांग किया कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदो से चोरी, डकैती, लूट व छिनैती की घटनाए स्वर्ण व्यवसाईयो से होने की खबरे लगातार आ रही है परन्तु मामलों का खुलासा नहीं हो पा रहा है। अपराधों का अल्पीकरण, और खुलासा न होने से अपराधियों मनोबल बढ़ा है। व्यापारियो में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है जिससे व्यापार प्रभावित है। मांग किया कि स्वर्ण व्यवसायियो से हुए अपराधों का पूर्ण खुलासा कराया जाय। प्रमुख बाजारों में रात्रिगस्त के साथ दिन में भी संदिग्ध गतिविधिया पर नजर रखी जाय। आत्म रक्षार्थ प्राथमिकता के आधार पर स्वर्ण व्यवसायियो को शस्त्र लाईसेन्स दिया जाय व मांगे जाने पर पुलिस सुरक्षा प्रदान की जाय ।

ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से विश्वनाथ वर्मा प्रभात सोनी, हरिओम प्रकाश, सुनील गुप्ता, विशाल सर्राफ, सोहन सोनी, शिव प्रकाश वर्मा, दीपक सोनी, सुनील सोनी, दिवाकर सोनी, सूरज सोनी, सपन सर्राफ, दीपक वर्मा, आकाश सोनी, विजेन्द्र वर्मा जितेन्द्र सोनी, दुर्गा प्रसाद, रूपेश अग्रहरी, विष्णु सोनी, महेन्द्र सोनी, गौतम चावला, जमील अहमद, सोयेब, कृष्ण कान्त वर्मा, श्याम मोहन, हर्षरंजन सोनी, रवीस कुमार, अशोक सोनी, श्रवण कुमार, मोहन सोनी दीनानाथ, राजेश सोनी, वीरेन्द्र सोनी, रविन्द्र सर्राफ, आयूब, मनीष कुमार सहित अन्य स्वर्ण व्यवसाई उपस्थित रहे।

ए.जे.पी.एस. प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह ने किया कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के आगमन पर सहयोगी दलों के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने भी उनका स्वागत किया। मंगलवार को आम जनता पार्टी सोशलिस्ट (ए. जे.पी.एस.) के संस्थापक जन्त्रीलाल चौहान, प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह चौहान, जिलाध्यक्ष रमेश चौहान, जिला सचिव लवकुश चौहान आदि ने अजय राय को बुके देकर स्वागत किया।

आम जनता पार्टी सोशलिस्ट के संस्थापक जन्त्रीलाल चौहान, प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया है और इसका पूरा पालन किया जायेगा।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को नेताओं ने भेंट किया आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का चित्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के बस्ती आगमन से पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह है। मंगलवार को पं. अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षा गृह में आयोजित कार्यकर्ता बैठक और सभा के दौरान कांग्रेस नेता नोमान अहमद और बबिता शुक्ल ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को हिन्दी के मूर्धन्य विद्वान आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का चित्र भेंट किया।

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का चित्र भेंट करने के दौरान मुख्य रूप से प्रवीण चन्द्र पाण्डेय, अरूण पाण्डेय, नवीन श्रीवास्तव, सोनम सैनी , जय प्रकाश पाण्डेय, सुराली, सोनल सैनी, गुड्डू उपाध्याय, बिट्टू, दयाशंकर चौध ारी, रमेश, राजू गौड़, सुनील पाण्डेय आदि शामिल रहे।

सरकार बनते ही बुलडोजरों का रुख गोरखपुर की तरफ होगा-अखिलेश

लखनऊ आभा)। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का सफाया होगा और देश की राजनीति उसके चुनावी परिणाम से प्रभावित होगी। भाजपा की सरकार में निर्दोष लोगों को सताया जा रहा हैं। 2027 में समाजवादी सरकार बनते ही पूरे प्रदेश के बुलडोजरों का रूख गोरखपुर की तरफ होगा। अखिलेश यादव ने मंगलवार को सपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं की बैठक में यह बातें कहीं। गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी

कांग्रेस नेताओं ने गोटवा में किया प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के बस्ती आगमन पर पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने स्थान–स्थान पर फूल मालाओं के साथ उनका स्वागत किया। मंगलवार को कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष गिरजेश पाल के संयोजन में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने गोटवा के निकट कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का स्वागत करने के साथ ही उन्हें राजनीतिक स्थितियों से अवगत कराया। अजय राय ने कांग्रेस नेताओं का आवाहन किया कि वे साम्प्रदायिक और नफरत की राजनीति करने वाली भाजपा को करारा जबाब दें। देश और उत्तर प्रदेश की जनता कांग्रेस की ओर उम्मीदों से देख रही है, हमें उस पर खरा उतरना होगा।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से अतीउल्ला सिद्दीकी, रामबचन भारती, राकेश पाण्डेय गांधियन, डा. मारूफ अली, सद्दाम हुसेन, सुबुही निकहत, विमला राठी, शकुन्तला देवी, नफीस अहमद, राम धीरज चौधरी, राजेन्द्र कुमार मोदनवाल, इजहार अहमद, डा. जमील अहमद, नियाज अहमद, अली हुसेन, मंजू पाण्डेय, अनिल त्रिपाठी, रंजना सिंह, रमजान अली, फरहान अहमद, मो. इरफान, समीर अहमद, मोहम्मद आजम, रन बहादुर सिंह, अवधेश सिंह, जय प्रकाश अग्रहरि, सरोज बाला कन्नौजिया, साहबान के साथ ही कांग्रेस के अनेक नेता, कार्यकर्ता शामिल रहे।

समायोजन की मांग को लेकर 5 सितम्बर को धरना देने लखनऊ जायेंगे शिक्षा मित्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–बैठक में बनी रणनीतिः शिक्षक संघ ने दिया समर्थन

बस्ती । मंगलवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र डिलिया बस्ती सदर के सभागार में शिक्षामित्रों की बैठक ब्लाक अध्यक्ष राजेश चौधरी की अध यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी पांच सितम्बर से लखनऊ में प्रस्तावित ईको गार्डन में धरने की सफलता के लिये रणनीति बनाई गई।

बैठक को संबोधित करते हुए शिक्षा मित्र संयुक्त मोर्चा ब्लाक अध्यक्ष राजेश चौधरी ने कहा कि शिक्षामित्रों की मांगों को लेकर पांच सितंबर से लखनऊ में बेमियादी धरना–प्रदर्शन किया जाएगा, जो स्थायी समाधान होने तक जारी रहेगा। अपने हक के लिए शिक्षमित्रों को धरने में शामिल होने का आह्वान करते हुए कहा कि महंगाई के दौर में कम मानदेय पर जीवन काटना मुश्किल हो गया है। बताया कि हजारों की संख्या में संख्या में शिक्षा मित्र अपने–अपने साधनों से, रेल, बस आदि के द्वारा 5 सितम्बर को लखनऊ पुहंचेंगे।

शिक्षा मित्रों के आन्दोलन को समर्थन देते हुये उत्तर प्रदेशीय शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने कहा कि सरकार शिक्षा मित्रों का समायोजन सुनिश्चित करे और तत्काल प्रभाव से मानदेय में वृद्धि की जाय। शिक्षक संघ इस संघर्ष में शिक्षा मित्रों के साथ है।

शिक्षा मित्र संयुक्त मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष बरसाती यादव ने कहा कि शिक्षामित्र बच्चों की पढ़ाई, परिवार की परवरिश, दवाई, शादी विवाह आदि को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि नियमावली में संशोधन कर शिक्षामित्रों को समायोजित नियमित किया जाए। मृतक शिक्षामित्रों के परिजनों को जीवकोपार्जन केलिए नियुक्ति प्रदान किया जाए। टीईटी पास शिक्षामित्रों को नियमों में शिथिलता देते हुए सहायक अध्यापक पद पर नियमित किया जाए। बैठक में मोर्चा जिला महामंत्री अनिल दूबे ने कहा शिक्षामित्रों को पुनः एक अवसर देते हुए अपने मूल विद्यालय में वापस किया जाए। महिला शिक्षामित्रों का विवाहोपरांत उनके ससुराल के जनपद में स्थानांतरण किया जाय। उन्होने एकजुटता पर जोर देते हुये कहा कि आर–पार के संघर्ष से ही सफलता मिलेगी।

बैठक में मुख्य रूप से शशिबाला सिंह, आरती देवी, बाबूलाल निषाद, रंजना सिंह, कंचन वर्मा, चन्द्रिका प्रसाद, राजेश कुमार, सुधा त्रिपाठी, रामचन्द्र यादव, वीरेन्द्र कुमार, महिमा द्विवेदी, आज्ञाराम, रीना देवी, विजय पाल, किरन श्रीवास्तव, लाल बहादुर दुबे, माधवी सिंह, अनीता पाल, रंजना चौध ारी, मनीषा वर्मा, दिनेश कुमार पाण्डेय, प्रतिभा सिंह, हीरालाल, मोहिता गौड़, कलावती यादव, वेद प्रकाश पाण्डेय, ऊषा देवी, भगवती प्रसाद, दिलीप कुमार, गायत्री देवी, पुष्पा गौतम, मनोज कुमार, अनिल कुमार, जोखन प्रसाद, सुरेन्द्र श्रीवास्तव, भरत जी शुक्ल, गीता दुबे, विजय बहादुर यादव के साथ ही अनेक शिक्षा मित्र उपस्थित रहे।

बुलडोजर रूपी अहंकार के नीचे असंख्य परिवारों की आवाजें दब गई–अजय राय

– गरीबों को न्याय दिलाने के लिये संघर्ष को तेज करेगी कांग्रेस
– डा.आलोक वर्मा बसपा छोड़ समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा देश व प्रदेश की भाजपा सरकारों षडयंत्र के तहत विपक्षी नेताओं को जेल भेज रही हैं, त्वरित न्याय दिलाने की आड़ में लोगों के घर और कामर्शियल भवनों पर बुलडोजर चलवाया जा रहा है। हम कांग्रेस के कार्यकर्ता हैं देश के संविधान को बचाने, दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों और कमजोर लोगों को न्याय दिलाने के लिये अपने जान की बाजी लगा देंगे लेकिन पीछे नही हटेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा योगी आदित्यनाथ का दोहरा चारित्र दुनियां देख रही है। जिसे तरह से बहू बेटियों की इज्जत सरेआम लूटी जा रही है, आरोपियों की गृहस्थी पर बुलडोजर चलवाया जा रहा है, लूट और हत्या की वारदातें सरेआम हो रही है, ऐसे हालातों में यदि वे सही मायने में संत होते तो सत्ता को लात मारकर अपने मठ में चले जाते। लेकिन दुर्भाग्यूर्ण है कि वे अब संत भी नही रहे और अच्छे राजनेता भी नही बन पाये। उनके बुलडोजर रूपी अहंकार के नीचे असंख्य परिवारों की आवाजें दब गई हैं जो न्याय की गुहार लगाते रहे और बेलगाम सत्ताधारी उन पर जुल्म ढाते रहे। ऐसी सरकारों को सत्ता से हटाने के लिये हमे एकजुट रहना होगा। कांग्रेस नेता ने बस्ती जिला प्रशासन और भाजपा नेताओं को खूब खरी खोटी सुनाया।

दरअसल कांग्रेस के कार्यक्रम के दौरान प्रेक्षागृह का ए.सी. खराब कर दिया गया था। अजय राय ने कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाते हुये कहा हम जेल में रहकर और अंग्रेजों से लोहा लेकर देश को आजाद कराने वाले लोग हैं। आज बस्ती को पता चल गया कि आने वाले दिनों में कांग्रेस के कार्यक्रमों के लिये प्रेक्षागृह बहुत छोटी जगह होगी। बस्ती आगमन पर पार्टी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने बड़ी गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। जिला मुख्यालय पर उन्होने अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह में कार्यकर्ताओं की बैठक की और साल 2027 के चुनाव के लिये कमर कसकर तैयार रहने को कहा। इससे पूर्व हरैया, कप्तानगंज और फुटहिया चौराहे पर कांग्रेसियों ने उन्हे माला पहनाया और पार्टी के समर्थन में नारे लगाये। बसपा नेता एवं बस्ती सदर विधानसभा से चुनाव लड़ चुके डा. आलोक रंजन वर्मा ने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी ज्वाइन किया। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने उनको फटका पहनाकर पार्टी में शामिल किया।

कार्यकर्ता बैठक का संचालन पार्टी प्रवक्ता मो. रफीक खां ने किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'झानू', देवेन्द्र श्रीवास्तव, जयकरन वर्मा, दिलीप निषाद, अमरेन्द्र मल्ल, केशव प्रसाद यादव, विश्वविजय सिंह आदि प्रदेश स्तर के पार्टी नेता मौजूद रहे। पूर्व विध ाायक अंबिका सिंह, बृजेश आर्या, रामजियावन, पूर्व सांसद मो. मुकीम, प्रदेश सचिव अनिल कुमार, प्रशान्त पाण्डेय, डा. आलोक रंजन वर्मा, काजी सुहेल अहमद, बसंत चौधरी आदि ने भी बैठक को सम्बोधित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में किसान कांग्रेस के नर्वदेश्वर शुक्ल, मछुवारा कांग्रेस के राजबहादुर निषाद, गिरजेश पाल, मंजू पाण्डेय, रामभवन शुक्ल, बबिता शुक्ला, गंगा प्रसाद मिश्रा, सोनी मिश्रा, नीलम विश्वकर्मा, डा. शीला शर्मा, राणा प्रताप सिंह, रविन्द्र सिंह राजन, डा. वाहिद अली, हरिश्चन्द्र शुक्ल, अमित प्रताप सिंह, सुनील पाण्डेय, अवधेश सिंह, शौकत अली नन्हू, अलीम अख्तर, सद्छाम हुसेन, अतीउल्लाह सिद्धीकी, देवी पाण्डेय, शिवनारायण पाण्डेय, आदित्य त्रिपाठी, मुकेश शुक्ल, मदनलाल गुप्ता, जगदीश शर्मा, बबलू गुप्ता, दिलीप श्रीवास्तव, डीएन शास्त्री, लक्ष्मी यादव सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

व्यापारी देश की विकास यात्रा के अभिन्न अंग, मनाया स्थापना दिवस, दिया संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार को अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल से संबध पूर्वांचल उद्योग व्यापार मंडल बस्ती द्वारा 31वां स्थापना दिवस पचपेडिया स्थित डीपीएस स्कूल के प्रांगण में आयोजन किया गया।

मुख्यागत बस्ती मण्डल सहकारी समिति के चेयरमैन राजेन्द्र नाथ तिवारी ने कहा कि व्यापारी समाज की रीढ़ होता है, किसान उत्पादन करता है पर वितरण का कार्य व्यापारी ही करता है। श्री तिवारी ने कहा कि उत्पादन का समय से रखरखाव और वितरण समय से न होने पर उत्पाद खराब हो जाता है। इसलिए मैं कहता हूं किसान और व्यापारी एक दुसरे के पूरक हैं।

प्रदेश उपाध्यक्ष अमर मणि पाण्डेय ने कहा कि व्यापारी दिन रात मेहनत करके केवल अपना पोषण नहीं करता है बल्कि देश के विकास में योगदान देता है, देश के विकास में व्यापारी समाज की अहम भुमिका होती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष सुबास शुक्ल ने कहा कि तीन सितंबर व्यापारी दिवस के रूप में मनाया जाता है यह दिवस व्यापारियों के लिए उत्साह और उमंग का दिन होना चाहिए श्री शुक्ल ने कहा कि जिस प्रकार हम नववर्ष मनाते हैं, अनेक दिवस को परिवार और मित्रों के साथ आनन्द पूर्वक मनाते हैं इसी प्रकार इस व्यापारी दिवस को भी अपने व्यापारी भाईयों के साथ मिलकर मनाने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष डा0 वीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी तथा महामंत्री ब्रजेश सिंह मुन्ना ने किया।

कार्यक्रम में हरविंदर पाल सिंह,एल के पाण्डेय, राजाराम जी, रमेश सिंह, गिरधारी लाल साहू, अजय सोनी, प्रमोद गाडियां, विवेक साकेत हुंडई, गोपाल मोदी, ध्रुव कशौधन, सुनील सोनी,राजीव पाण्डेय,नीरज जी , विक्की जायसवाल, श्री भागवन्त जी, चुनमुन लाल जी, राकेश त्रिपाठी, धीरज सरीन, मनोज सिंह,सरदार कुलविंदर सिंह जेम्स , को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राध ेश्याम कमलापुरी जी, अमीर चन्द्र गुप्ता, प्रभुप्रीति सिंह, सुनील श्रीवास्तव रामविनय पाण्डेय, लालजी शुक्ल, पंकज त्रिपाठी, हरिओम यादव लल्ला,डा0एस के त्रिपाठी, इन्द्रभुजा पाण्डेय, महेंद्र पाण्डेय, राजेश चित्रगुप्त,टीटू सरदार, लक्ष्मी कान्त पाण्डेय, राजाराम तिवारी, कुलविंदर सिंह,हर्ष कशौधन,अभय सिंह, दुर्गेश वर्मा, जय राजभर, सुनील गिरि,बी एम शुक्ल, दिनेश सिंह, राजेश शर्मा,राम विलास शर्मा, धर्मेन्द्र त्रिपाठी, संतोष राजभर, रामकुमार साहू,रवि गुप्ता, चतुर्भुजी पाण्डेय, सुनील सोनी, शशांक वर्मा, प्रद्युम्न वर्मा,मदन गुप्ता, दिनेश गोंड,लल्लन,विजय गुप्ता, मुकेश यादव, सुधांशु चौधरी ,राम औतार चौधरी,जय राजभर, विक्की जायसवाल,राजनाथ श्रीवास्तव, पंकज विश्वकर्मा,नजीरुल हसन,राम सरन गुप्ता, सुरेश गुप्ता,भागवत गुप्ता, ओमप्रकाश मिश्र,धीरज सरीन,मनीराय संताजी, जगदीश तिवारी, अयोध्या प्रसाद कशौधन, आदित्य नारायण, श्याम बिहारी अग्रहरि, राजकुमार निषाद, चन्द्र किशोर,शिव हनुमान प्रसाद, सर्वेश श्रीवास्तव,नीरज श्रीवास्तव,सुरेश पाण्डेय, राकेश त्रिपाठी, सत्यपाल सिंह, मनोज कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 4 सितम्बर 2024 बुधवार

सम्पादकीय

समय पर न्याय के यक्ष प्रश्न

यह सुखद ही है कि देश के सर्वोच्च न्यायालय ने 75 साल का गरिमामय सफर पूरा कर लिया है। संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रयासों में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को यादगार बनाने के लिये बाकायदा डाक टिकट व सिक्के भी हाल ही में जारी किये गए। लेकिन पिछले दिनों न्यायिक बिरादरी के विभिन्न आयोजनों में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर बल दिया कि समय पर न्याय मिलने से ही न्याय का वास्तविक लक्ष्य पूरा होता है। सभी ने शीघ्र न्याय की जरूरत को स्वीकारते हुए कहा कि 'तारीख पे तारीख' की संस्कृति से तौबा करने का वक्त आ गया है? यही वजह है कि जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है। इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान—परेशान हैं। लेकिन यहां विचारणीय प्रश्न यह भी कि जिला स्तर पर न्यायालयों में लंबित मामलों का ग्राफ लगातार क्यों बढ़ता जा रहा है। जिला अदालतों में साढ़े चार करोड़ मामलों का लंबित होना हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। जिसके लिये न्यायिक प्रकिया से जुड़े कामकाज की समीक्षा होनी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न मुख्य न्यायाधीशों ने बार—बार निचली अदालतों में न्यायाधीशों की कमी का मुद्दा भी उठाया है। जाहिरा तौर पर संसाधनों की कमी भी न्यायिक प्रक्रिया की गति को प्रभावित करती है।

दरअसल, कुछ समाजशास्त्री मानते रहे हैं कि महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों की वजह वह जटिल व्यवस्था भी है, जिसके चलते अपराधी बच निकलने का रास्ता निकाल लेते हैं। किसी भी वारदात के बाद आम विमर्श का विषय होता है कि अपराधियों में पुलिस व कानून का भय नहीं रह गया है। कुछ लोग मानते हैं कि सख्त कानून के साथ ही त्वरित न्याय भी अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना पाएगा। कोलकाता में एक मेडिकल कालेज के अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या कांड ने पूरे देश को उद्वेलित किया है। पूरे देश में अपराधियों को शीघ्र व सख्त दंड देने की मांग की जा रही है। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। यही वजह है कि देश में शीर्ष स्तर पर भी यह धारणा बलवती हो रही है कि विभिन्न हितधारक सामूहिक जिम्मेदारी निभाएं, जिससे उस धारणा को तोड़ा जा सकता है कि न्याय देने वाली प्रणाली तारीख पर तारीख की संस्कृति को बढ़ावा देती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष होने पर शीर्ष न्यायिक नेतृत्व लंबित मामलों के निपटारे के लिये नई प्रभावी रणनीति बनाएगा। निर्विवाद रूप से देश के सर्वोच्च न्यायालय ने समय—समय पर ऐसे युगांतरकारी फैसले दिये हैं, जिन्होंने न केवल संवैधानिक मूल्यों की रक्षा की बल्कि महिलाओं—बच्चों व पीड़ित पक्षों को न्याय भी दिलाया है। साथ ही समय—समय पर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की है। यही वजह है कि व्यक्ति न्यायालय को अंतिम न्याय की किरण के रूप में देखता रहा है। शीर्ष न्यायालय ने जनाकांक्षाओं से जुड़े गंभीर मामलों में कई बार स्वतरू संज्ञान लेते हुए संकटमोचक की भूमिका भी निभायी है। हाल ही में कोलकाता की डॉक्टर के साथ हुए वीभत्स कांड के बाद डॉक्टरों की सुरक्षा के लिये राष्ट्रीय प्रोटोकॉल तैयार करने में भी शीर्ष अदालत ने बड़ी पहल की थी। निस्संदेह, भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ कही जाने वाली जिला अदालतें भी इस दिशा में बदलावकारी पहल कर सकती हैं। जिससे आम आदमी का न्यायिक व्यवस्था में भरोसा और मजबूत हो सकेगा।

हरियाणा में यूपी के दलों की दावेदारी

—अजय कुमार—

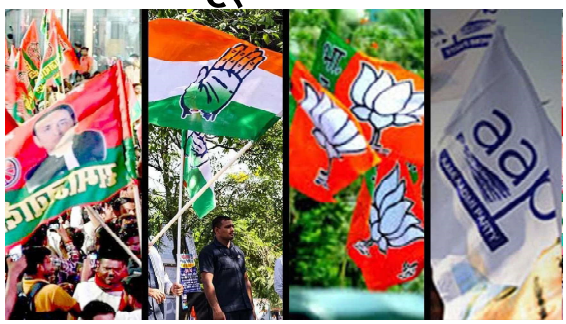

हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में उत्तर प्रदेश की सियासत के प्रभावशाली दल अपनी किस्मत आजमाने के लिए पूरी ताकत के साथ मैदान में उतर रहे हैं। समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, राष्ट्रीय लोकदल और आजाद समाज पार्टी जैसी प्रमुख पार्टियां हरियाणा की सियासत में अपनी पैठ बनाने की कोशिश कर रही हैं। इन दलों ने अपनी चुनावी रणनीति जातीय और सामाजिक समीकरणों पर आधारित बनाई है। जहां बसपा और आजाद समाज पार्टी दलित वोटरों को अपना आधार मानकर चुनावी मैदान में उतरी हैं, वहीं समाजवादी पार्टी यादव—मुस्लिम समीकरण का फायदा उठाने की योजना बना रही है। दूसरी ओर, राष्ट्रीय लोकदल जाट समुदाय के आधार पर हरियाणा में अपनी पहचान को विस्तार देने का प्रयास कर रहा है। इस स्थिति में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या ये उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय दल हरियाणा की सियासत में प्रभावी हो पाते हैं या सिर्फ वोट कटवा पार्टी बनकर रह जाते हैं।

हरियाणा की राजनीति में बीजेपी और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला माना जा रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव ने भी यही स्थिति दर्शाई थी। कांग्रेस और बीजेपी के बीच सीधा संघर्ष होने के कारण हरियाणा के क्षेत्रीय दलों की स्थिति सियासी हाशिए पर चली गई है। इनेलो और जेजेपी जैसे दलों की सियासी उपस्थिति में काफी कमी आई है। इस परिदृश्य में इन दलों ने दलित आधार वाले दलों के साथ गठबंधन किया है। कांग्रेस बनाम बीजेपी की इस लड़ाई में उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय दल किस तरह का प्रदर्शन कर पाएंगे, यह देखने योग्य होगा।

उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी ने सत्ता में चार बार पहुंचकर अपने प्रभाव का प्रदर्शन किया है, लेकिन हरियाणा में उसकी स्थिति हमेशा कमजोर रही है। इस बार मायावती ने हरियाणा में इनेलो के साथ गठबंधन किया है। इसी तरह, आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद ने दुष्यंत चौटाला की पार्टी जेजेपी के साथ मिलकर चुनावी मैदान में उतरने का फैसला किया है। समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन करने की कोशिश की है, जबकि राष्ट्रीय लोकदल ने बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की योजना बनाई है।

हरियाणा में बसपा और इनेलो ने जाट—दलित समीकरण को ध्यान में रखकर गठबंधन किया है। इस समझौते के तहत बसपा 34 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि बाकी सीटों पर इनेलो अपने प्रत्याशी उतारेगी। 2019 के चुनाव में बसपा हरियाणा में खाता नहीं खोल पाई थी, लेकिन उसे 4.21 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए थे। इनेलो ने पिछले चुनाव में 2.44 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे, जबकि इससे पहले यह आंकड़ा 24 प्रतिशत था। 2024 के लोकसभा चुनाव में इनेलो को 1.74 प्रतिशत और बसपा को 1.28 प्रतिशत वोट मिले थे।

बसपा की कमान युवा नेता आकाश आनंद के हाथ में है, और पार्टी अनुसूचित जाति के 21 प्रतिशत मतदाताओं के सहारे हरियाणा में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहती है। बसपा ने 34 सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बनाई है, जिसमें उसकी सफलता की चुनौती बनी हुई है। 2024 के चुनाव में जाट और दलित वोटों का झुकाव कांग्रेस की ओर दिखा है, जिससे बसपा के लिए हरियाणा में अपनी स्थिति स्थापित करना मुश्किल हो सकता है। अगर बसपा का वोट शेयर लगातार गिरता रहा, तो पार्टी कहीं वोट कटवा पार्टी न बन जाए, यह चिंता बनी रहती है।

चंद्रशेखर आजाद ने अपनी आजाद समाज पार्टी का राष्ट्रीय विस्तार करने के लिए हरियाणा में जेजेपी के साथ गठबंधन किया है। जेजेपी, जो इनेलो से टूटकर बनी है, ने 2019 में हरियाणा की सियासत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन पिछले पांच वर्षों में उसे अपने सियासी अस्तित्व को बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। चंद्रशेखर ने जेजेपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। हरियाणा की 90 सीटों में से जेजेपी 70 और आजाद समाज पार्टी 20 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इस गठबंधन से जेजेपी को अधिक लाभ की उम्मीद है। चंद्रशेखर ने यूपी में दलितों के बीच अपनी पहचान बनाई है, लेकिन हरियाणा में उनकी लोकप्रियता सीमित है। कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा और उदयभान जैसे दलित चेहरे राज्य में प्रभावी रहे हैं। ऐसे में चंद्रशेखर के लिए जेजेपी के साथ मिलकर हरियाणा में सफलता प्राप्त करना एक चुनौती हो सकती है।

समाजवादी पार्टी ने 2024 में उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में से 37 सीटें जीतकर अपनी ताकत साबित की है। अखिलेश यादव ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में अपनी किस्मत आजमाने का फैसला किया है। समाजवादी पार्टी कांग्रेस के साथ गठबंधन करके चुनावी मैदान में उतरना चाहती है, लेकिन अभी तक दोनों दलों के बीच कोई ठोस समझौता नहीं हुआ है। कांग्रेस के नेता विधानसभा चुनाव में किसी अन्य दल के साथ गठबंधन करने के लिए तैयार नहीं हैं।

सपा ने यह भी तय किया है कि अगर कांग्रेस उसे सीट नहीं देती है, तो वह अकेले चुनाव लड़ने की योजना बना रही है। 2019 में हरियाणा विधानसभा चुनाव में सपा का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, जहां वह चार सीटों पर लड़ी थी और सभी की जमानतें जब्त हो गई थीं। फिर भी, सपा ने चुनाव लड़ने के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है और यादव और मुस्लिम प्रभाव वाली सीटों पर ध्यान केंद्रित किया है। पार्टी की रणनीति यह है कि चाहे सीट मिले या न मिले, लेकिन उसकी पहचान बने और उसे हरियाणा में अपनी स्थिति स्थापित करने में मदद मिले। यह देखना होगा कि सपा इस बार कितना प्रभाव डाल पाती है।

राष्ट्रीय लोकदल केंद्र में एनडीए गठबंधन का हिस्सा है और इसके प्रमुख जयंत चौधरी मोदी सरकार की कैबिनेट में हैं। हरियाणा में जाट वोटरों की ताकत को देखते हुए आरएलडी ने विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया है। जयंत चौधरी के दादा चौधरी चरण सिंह की ससुराल सोनीपत के गांव गढ़ी कुंडल में है और वह खुद जाट समुदाय से आते हैं। राज्य में जाट वोटर लगभग 28 प्रतिशत हैं। आरएलडी की योजना बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की है और उसने पांच सीटों पर चुनाव लड़ने का प्लान बनाया है। बीजेपी जाट वोटरों को अपने साथ जोड़ने के लिए आरएलडी को दो से तीन सीटें दे सकती है।

हरियाणा की राजनीति में कांग्रेस का विकल्प पहले लोकदल था, लेकिन अब बीजेपी ने उसकी जगह ले ली है। कांग्रेस आज भी अपनी स्थिति बनाए हुए है। उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय दलों को हरियाणा की राजनीति में अपनी जगह बनाने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, इन दलों की उपस्थिति अन्य दलों की संभावनाओं को प्रभावित कर सकती है। बसपा और आजाद समाज पार्टी दलित वोटों का बिखराव कर सकती हैं, सपा यादव वोटों को बांट सकती है, और आरएलडी जाट वोटों को विभाजित कर सकती है। इस तरह, इन दलों की उपस्थिति सियासी समीकरणों को बदल सकती है और वोट कटवा पार्टी बनने की संभावना को भी जन्म दे सकती है।

अंधविश्वास के मकड़जाल में फंसा समाज

—मंगत राम पासला—

मानव समाज निरंतर विकसित हो रहा है। वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकी विकास के माध्यम से लेखक भ्रम से मुक्त हो जाते हैं। स्थापित अवधारणाएं टूट रही हैं और नई वास्तविकताएं खोजी जा रही हैं। हालांकि, देश के विकास का वर्तमान आर्थिक माडल, यानी लूट पर आधारित राज्य व्यवस्था, सभी लोगों को समानता, स्वतंत्रता, न्याय और भाईचारे की गारंटी नहीं देती है, क्योंकि लूटने वाले वर्ग सत्ता में हैं। दुनिया भर में जो भयानक युद्ध छिड़े हैं उनका मुख्य स्रोत वही राजनीतिक—आर्थिक व्यवस्था यानी 'साम्राज्यवाद' है। जिस भी देश में श्रमिक सत्ता में आए हैं, वहां अपेक्षाकृत बेहतर समाज के निर्माण की संभावना बनी है।

यदि आज देश के हर क्षेत्र में कुछ भी नकारात्मक घटित हो रहा है तो वह निरूसंदेह अतीत के प्रतिगामी मूल्यों के निरंतर जारी रहने का परिणाम है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आलोचक वही लोग हैं जो समान न्याय और समानता के सिद्धांतों के आधार पर हर इंसान को अच्छा जीवन प्रदान करने के विरोधी हैं। ये 'शातिर लोग' अतीत की झूठी प्रशंसा करके आम लोगों को गुमराह कर रहे हैं, ताकि वे अपने तर्कहीन विचारों पर वापस आ जाएं। भारत में लोगों के भविष्य के बारे में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और अतीत की पिछड़ी विचारधारा जो लोगों को बौद्धिक गुलाम बनाकर लूटने की व्यवस्था कायम रखती है, के बीच निरंतर युद्ध चलता रहता है। आस्था के नाम पर अंधविश्वास फैलाने वाले 'धार्मिक गुरु' सभी धर्मों में मौजूद हैं, जिन्होंने विभिन्न हास्यास्पद तरीकों और मंत्रों से सभी बीमारियों, आर्थिक कठिनाइयों, सामाजिक समस्याओं और सभी प्रकार के दुख—दर्दों को दूर करने की दुकानें खोल रखी हैं। तांत्रिक बोतलों में भरे साधारण पानी को मंत्रों से युक्त 'चमत्कारी जल' कहकर पीने, कोई अन्य भोजन खिलाने या दवाई आदि देने से सभी प्रकार की बीमारियों को ठीक करने का दावा करते हैं।

बेहद हास्यास्पद तरीकों से उन बीमारियों के इलाज के भी झूठे और बेबुनियाद दावे किए जाते हैं, जिनके इलाज में मैडीकल साइंस भी अभी तक ज्यादा सफल नहीं हो पाई है। ऐसे पाखंडी 'संत' कैंसर जैसी घातक बीमारी को भी ठीक करने का दावा करते हैं। इतना ही नहीं, इन तरीकों से झाड़—फूंक के नाम पर की जाने वाली अंधा—धुंध पिटाई से कई बार पीड़ितों की मौत भी हो जाती है। गौर करने वाली बात यह भी है कि अगर इन ढोंगी बाबाओं को किसी टी.वी. चौनल पर सीमित सीमा तक उजागर किया जाता है, तो चर्चा के लिए उनके एक तरफ एक ऐसा व्यक्ति बैठा होता है, जो उस विषय का विशेषज्ञ होता है। दूसरा पक्ष केवल इस बात पर ढोंगी बाबा की आलोचना करता है कि उसे धर्म और धार्मिक नियमों और शास्त्रों का पूरा ज्ञान नहीं है। मान लीजिए अगर उसे यह ज्ञान मिल भी जाए तो उसके बेतुके दावे सही साबित हो जाएंगे? वैचारिक रूप से दोनों आधे—अधूरे आस्तिक, अंधविश्वासी और पौराणिक घटनाओं के अनुयायी हैं। बहस का यह तरीका कुएं से निकलकर खाई में गिरने के बराबर है। धार्मिक आस्था, जो मन को शांति और सुकून देती है, इन झूठे दावों और पाखंडों से काफी हद तक मुक्त है।

धार्मिक कट्टरता और अंधविश्वासों का समर्थन करने वाले राजनीतिक और अन्य सामाजिक दल देश को महिलाओं के साथ बढ़ते बलात्कार और अन्य जघन्य अपराधों से बचाने के लिए समाज को जादू—टोने और अंधविश्वासों से भरे मध्ययुगीन 'स्वर्ण युग' की ओर इशारा करते हैं। उनका अभिप्राय यह है कि जातिगत भेदभाव, जाति—आधारित सामाजिक संरचना, सती प्रथा, बाल विवाह, भाग्यवाद जैसे पिछड़े विचारों वाले भयानक अतीत में लौटकर ही समाज के सामने आने वाली समस्याओं और वर्तमान चुनौतियों का समाधान किया जा सकता है। ऐसे लोग वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तार्किकता को बढ़ावा देने की बजाय अंधविश्वास फैला रहे हैं। पौराणिक कथाओं के माध्यम से इतिहास को पूर्वव्यापी रूप से बदला जा रहा है। संस्कृति और अन्य सभी क्षेत्रों में अतीत के अंधविश्वासी समाज को 'दुनिया का तरीका' बताया जा रहा है। निरूसंदेह भारतीय समाज कई क्षेत्रों में अन्य समाजों से अधिक विकसित कहा जा सकता है।

अंधविश्वासों और गलत सामाजिक अवधारणाओं के कायम रहने के कारण ही देश 'जगत गुरु' नहीं बन पाया है। इस पिछड़ी सोच से मुक्त होना ही भारतीय समाज की खूबसूरती मानी जाएगी। आए दिन होने वाली महिलाओं और बच्चों के साथ बलात्कार की भयावह घटनाएं गुलामी और सामंती समाज के अवशेषों का परिणाम हैं। इस अमानवीय घटना से छुटकारा पाने के लिए भारतीय समाज को सामंती मानसिकता से मुक्त करना होगा और पुरुष प्रधान समाज को स्त्री—पुरुष के बीच वास्तविक समानता वाली व्यवस्था में बदलना होगा। उन शासकों के खिलाफ भी बेरहमी से वैचारिक समाधान चलाए जाएंगे, जो महिलाओं को केवल यौन संतुष्टि की वस्तु मानते हैं। आर.एस.एस. और इससे जुड़े संगठन जोर—शोर से 'हिंदुत्व' का प्रचार—प्रसार कर रहे हैं। इसी प्रकार मुस्लिम और ईसाई धर्म में भी 'विकृत तत्व' धर्म की आड़ में अंधविश्वास फैलाने का कुकृत्य करते हैं। वह भी पूरी तरह निंदनीय है। सिख धर्म, जिसे अन्य धर्मों की तुलना में एक आधुनिक और अधिक तर्कसंगत धर्म कहा जा सकता है, के भीतर भी तथाकथित 'बाबे' और 'ब्रह्मज्ञानी' सिख धर्म के मानवीय मूल्यों और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपवित्र करने का प्रयास कर रहे हैं। वे धर्म को केवल 'पैसा कमाने' का जरिया मानकर खुद हर तरह के ऐशो—आराम का आनंद लेते हैं और दूसरों को सांसारिक गतिविधियों और माया से दूर रहने की सीख देते नहीं थकते।

वस्तुतः इस घटना को विभिन्न धर्मों द्वारा समय—समय पर सामाजिक विकास के लिए किए गए महत्वपूर्ण योगदानों तथा अतीत की बुराइयों के विरुद्ध उठाई गई आवाजों की निंदा के रूप में देखा जाना चाहिए। आवश्यकता हर समस्या के लिए जिम्मेदार वर्तमान सामाजिक—आर्थिक संरचना की वास्तविकता को पहचानने और उसे बदलने के लिए वैज्ञानिक मार्गदर्शन के अनुसार युद्ध छेड़कर आगे बढने की है। मानव जाति के सामने आने वाली समस्याओं का वास्तविक समाधान लूट, अन्याय और विभिन्न ज्यादतियों के लिए जिम्मेदार पूंजीवादी व्यवस्था के स्थान पर समानता और समानता के सिद्धांतों पर आधारित 'समाजवाद' की स्थापना है। 1990 के दशक के दौरान, सोवियत संघ और पूर्वी यूरोप के देशों में समाजवादी व्यवस्था के पतन के बाद, समाजवाद की अवधारणा अस्थायी रूप से धुंधली हो गई थी। लेकिन यह वास्तविकता अब वैश्विक स्तर पर तीव्रता से अनुभव की जा रही है।

जो पसीना बहाएगा, वही लक्ष्य को पाएगा

—डी.पी. चंदन —

राजनीतिक परिदृश्य पर खुद की संगठन आस्था से भी ऊपर उठकर निष्पक्ष भाव से सिस्टम विश्लेषक के नाते लिखते समय स्मरण आया कि आजकल हरेक शोभे में स्मार्ट वर्क पर निर्भरता जरूरत से ज्यादा जोर देकर इसको आगे बढ़ाकर मंजिल हासिल करने का एकमात्र मंत्र साबित करने की भरसक कोशिश हो रही है, क्या व्यवहारिकता में सार्थक भाव से राजनीतिक दलों के सिस्टम में यह जैसा दिखाने की चेष्ठा होती है वैसा वास्तव में है भी? सिस्टम कोई भी गलत नहीं होता असल में उसमें विचरण करने वाले बहुसंख्यक किरदार उसकी व्यवहारिकता के असर द्वारा सकारात्मक व नकारात्मक भाव को उजागर करते हैं जिसको अक्सर लोकतांत्रिक प्रक्रिया बता सैद्धांतिक मूल्यों के शोषण का अधिकार दे दिया जाता है?

ज्यादातर दल इस बीमारी के इस समय बुरी तरह शिकार हैं जबकि जो सैद्धांतिक मूल विचारक संगठन संपूर्ण व्यवस्था परिवर्तन के परोधा होने का दम भरते हैं, को स्मार्ट वर्क के साथ—साथ हार्ड वर्क की अहमियत को कतई नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। क्योंकि सिद्धांत रहेंगे तो ही व्यवस्था परिवर्तन के मूलमंत्र को पाना संभव होगा क्योंकि सत्तासीन होना उसका ध्येय नहीं बल्कि मात्र माध्यम होना चाहिए? अगर समय की तीव्र चक्की में पिसने से बचकर सैद्धांतिक मूल्यों पर प्रयासरत खड़े रहने की चेष्ठा प्रबल रही तो इस समय विचारक विरोधाभास के चलते कट्टर विरोधी वामदल व भाजपा को मूल विचारक सोच के साथ इस दृष्टि से समकक्ष कुछ हद तक साथ खड़ा किया जा सकता है क्योंकि दोनों दलों का मूल कार्यकर्त्ता अपने सिद्धांत से कतई समझौता नहीं करता? एक भारतीय जनता पार्टी लेकिन दूसरी कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया कहलाती है, अंतर स्पष्ट नजर आता है? कैडर दोनों के अपनी—अपनी मूल विचारधारा से निकले हैं लेकिन एक राष्ट्र से जोड़ती है व दूसरी प्रराष्ट्र के भाव में विभाजित करती है। इसी तरह स्मार्ट वर्क अगर खुद की कामनाओं से ऊपर उठकर संगठनवर्धक हो तो सोने पे सुहागा अंततरू निष्काम हार्ड वर्क को स्मार्ट वर्क के गुण से युक्त कर अपनाने में बुराई क्या है? यही वर्गीकरण कार्यकर्त्ता के स्वभाव को उजागर कर उसकी भूमिका तय करता है।

स्मार्ट वर्क का स्मार्ट स्वार्थ तकरू आजकल सभी दलों में हो रही उठापटक व 'आया राम गया राम' पद्धति के चलते, स्मार्ट वर्क अचूक हथियार बन गया है। कमोबेश व्यक्ति केंद्रित दलों में सैद्धांतिक दलों की बनिस्बत स्मार्ट वर्क से खुद का अभेद्य किला बनाना आसान समझा जाता है क्योंकि जवाबदेही संगठन की बजाय व्यक्ति विशेष तक ही सीमित होती है। दरअसल इस स्मार्ट वर्क की प्रभाशा में अर्थ व स्वार्थ के भाव आंतरिक तौर पर जुड़े होने कारण समय की नजाकत देख उनसे भी सामयिक समझौते कर लेते हैं जिन्होंने उनकी दुनिया से विदाई के सपने संजोए होते हैं, लेकिन इसके अभाव कारण सच्चे समघ्पत कोसों दूर कर दिए जाते हैं, घोर विरोधी अपने व दल हितैषी बेगाने हो जाते हैं।

ऐसा नहीं है कि सभी दलों में कार्यरत संगठनकर्त्ताओं की कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं होती। लेकिन व्यक्ति दल मूल्यों व आत्मिक संतुष्टि को सर्वोपरि मान संगठन रीति—रिवाज अनुसार बिना क्रैडिट लेने की होड़ में पड़े चुपचाप सफलतापूर्वक संगठनकर्त्ता का धर्म निभाता रहता है व हार्ड वर्क को ही स्मार्ट वर्क समझ बैठता है, दरअसल यही युक्ति उसकी महत्वाकांक्षा होती है जिसका वह दिल से कायल होता है। लेकिन अनुपात अनुसार व्यक्ति केंद्रित दलों के बनिस्बत सैद्धांतिक दलों में यह संख्या शत—प्रतिशत तो नहीं लेकिन काफी अधिक होती है क्योंकि व्यक्ति पूजक को खुद—खुशामद में ही खुदा दिखता है लेकिन सैद्धांतिक दलों को परमवैभव तक लेकर जाने के जुनून के चलते अक्सर कार्यकर्त्ता की नीयत में 'स्मार्ट वर्क युक्त हार्ड वर्क' में ही खुद को निष्पक्ष आंकलन से ढूंढना होता है जैसा भाजपा संगठन ने मोदी जी में ढूंढा जो डिजिटिलाइजेशन दौर में स्मार्ट वर्क प्रेरित हार्ड वर्क की सार्थकता संग संगठन के साथ—साथ देश को भी परम वैभव तक ले जाने के जुनून तक अडिग दिखे।

भेड़ियों के सफाये को लेकर सरकार ने बनाया स्पेशल प्लान, ट्रैंकुलाइज नहीं हुए तो मार दिए जाएंगे भेड़िए

संवाददाता–बहराइच। जिले की महसी तहसील क्षेत्र के 50 गांवों में 49 दिनों से आतंक का पर्याय बने भेड़ियों से निजात की अंतिम कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मंगलवार को दो रेंजरों समेत 10 सदस्यीय टीम गठित की गई है, जिसे भेड़ियों को ट्रैंकुलाइज करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अगर भेड़िये ट्रैंकुलाइज नहीं हुए तो उन्हें मारने के भी आदेश दिए गए हैं। डीएम मोनिका रानी ने बताया कि प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव संजय श्रीवास्तव के आदेश पर टीम गठित की गई है, जिसमें वन विभाग से रेंजर पंकज साहू, अतुल श्रीवास्तव, पशु चिकित्सक दीपक वर्मा, वन सुरक्षाधिकारी दीपक सिंह, डिप्टी रेंजर प्रदीप कुमार, वन रक्षक मनोज तिवारी शामिल हैं। पुलिस विभाग से दरोगा रमेश चंद्र, आरक्षी अरुणेश कुमार व मधु गुप्ता को भी शामिल किया गया है। पहले भेड़ियों को ट्रैंकुलाइज कर काबू करने का प्रयास किया जाएगा।

हरदी क्षेत्र में भेड़ियों का आतंक थम नहीं रहा। 48 घंटे के भीतर सोमवार रात छठीं बार हमला किया। मां के साथ सो रही अफसाना (5) को निवाला बनाने का प्रयास किया। बालिका की चीख सुनकर उठे परिजनों को देख भेड़िया भाग निकला। अफसाना को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया। भेड़ियों के लगातार हमलों से ग्रामीण दहशत में हैं। रात जागकर काटनी पड़ रही है। ग्रामीण बारी–बारी से पहरा भी दे रहे हैं। ग्राम पंचायत पंडोहिया के मजरा गिरधरपुरवा निवासी अफसाना सोमवार रात मां के साथ आंगन में सो रही थी। करीब 12 बजे भेड़िया ने अफसाना का गला दबोच भागने का प्रयास किया। अफसाना की चीख सुन पिता अनवरी अली, मां व अन्य परिजन जाग गए। इसपर भेड़िया अफसाना को छोड़कर खेतों की ओर भाग निकला। बीडीओ महसी हेमंत यादव ने रात में ही टीम के साथ मौके पर पहुंच परिजनों का हाल जाना। मंगलवार सुबह सीओ रुपेंद्र गौड़ ने मामले की जांच की।

भेड़ियों ने बीते 48 घंटे के भीतर छह लोगों पर हमला किया। शनिवार रात करीब 12 बजे भेड़ियों ने नकाही निवासी पारस (7) पर और रविवार सुबह चार बजे मैकूपुरवा दरैहिया निवासी कुन्नू (55) पर हमला किया था। वहीं, रविवार रात नव्वन गरेठी निवासी अंजली (5) को मार डाला। कोटिया निवासी कमला (60) व सुमन (55) को गंभीर रूप से घायल किया। सोमवार रात अफसाना (5) को गंभीर रूप से घायल कर दिया। भेड़िये के बढ़े हमले से स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। स्थानीय निवासी उमेश व परमिंदर ने बताया कि वन विभाग सिर्फ दावे कर रहा है, लेकिन भेड़ियों पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा। नव्वन गरेठी निवासी अंजली को रविवार रात मां नीलू के पास से भेड़िया उठा ले गया था। सोमवार को फिर भेड़िये ने गांव में दस्तक दी। ग्रामीणों ने बताया कि भेड़िया तीन बार गांव में देखा गया। उसकी घेराबंदी की गई, लेकिन वह भाग निकला।

जीवीएम कान्वेंट स्कूल मे आयोजित न्यूट्रीशन वीक में बच्चों को दी भोजन की जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सितंबर माह का प्रथम सप्ताह पूरे देश में नेशनल न्यूट्रिशन वीक के रूप में मनाया जाता हैं। इस अवसर पर जी.वी.एम. कॉन्वेंट स्कूल के परिसर में नेशनल न्यूट्रिशन वीक मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत आज कार्बोहाइड्रेट्स एवं फैट डे मनाया गया। विद्यालय के प्रबंधक संतोष सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि जी.वी.एम. कॉन्वेंट स्कूल बच्चों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए विद्यालय "न्यूट्रिशन वीक" कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष आयोजित करता है। इसमें बच्चों को पोस्टर, बैनर, भाषण एवं नुक्कड़ नाटकों के द्वारा भोजन में पाए जाने वाले आवश्यक पोषक तत्वों के बारे में जानकारी दी जाती है। विज्ञान के शिक्षक राकेश श्रीवास्तव ने बच्चों को नेशनल न्यूट्रिशन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। इस अवसर पर राकेश, राजेश, शैलेंद्र, सुधांशु, विजय गुप्ता, निगहत, हिना, रागिनी, अनीता, शिवांगी, किरन,ममता,सावित्री, सुधीर,गिरीश,नमरा,सहित आज शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

साइबर और सड़क सुरक्षा का शिक्षकों ने सीखा गुर

संवाददाता–महराजगंज। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज धनेवा–धनेई के परिसर में चल रहे पांच दिवसीय उपचारात्मक प्रशिक्षण में मंगलवार को साइबर सुरक्षा व यातायात नियमों के बारे में माध्यमिक स्कूल के शिक्षकों को जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने कहा कि जो जानकारी यहां से प्राप्त हो रही है वह स्कूल में बच्चों के साथ साझा करें। जिला समन्वयक मुकेश कन्नौजिया ने कहा कि साइबर ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसमें डाटा लीक होना, क्रेडिट कार्ड की जानकारी और बैंक खाते की जानकारी लीक होने जैसी समस्याएं प्रमुख हैं। इसकी जानकारी शिक्षक बच्चों को तभी दे सकते हैं जब उनको पूरी जानकारी हो। आधार नंबर, बैंक डिटेल, ओटीपी इत्यादि किसी दूसरे को शेयर करने से बचना चाहिए। ऐसा करके साइबर क्राइम के दायरे में आने से बचा जा सकता है। सुबोध कुमार सिंह, सूरज प्रकाश मिश्रा व जनार्दन प्रसाद ने भी इस विषय पर चार्ट बनाकर शिक्षकों को बेहतर जानकारी देने का प्रयत्न किया। सुरक्षा एवं संरक्षा के विषय में सुनील कुमार भारती एवं अजय कुमार मिश्रा ने जानकारी प्रदान की। रामकेश यादव व अजय कुमार मिश्रा ने सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में जानकारी प्रदान की।

अशोक सिंघल की पूर्ण स्मृति में वेद में पारंगत छात्र एवं आचार्य को पुरस्कृत करेंगे सीएम योगी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या धाम के कारसेवकपुरम् में उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री योगी आदित्य नाथ 5 सितम्बर को श्रीराम मन्दिर निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्वर्गीय अशोक सिंघल की पुण्य स्मृति में वेद में पारंगत विद्वान विद्यार्थी आचार्य और एक विद्यालय को भारतात्मा वेद पुरस्कार प्रदान करेंगे। यह पुरस्कार अशोक सिंघल की पूर्ण स्मृति में पिछले 7 वर्षों से एक विद्यार्थी, एक आचार्य और एक विद्यालय को प्रदान किया जा रहा है इस वर्ष प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार अयोध्या में यह पुरस्कार विद्यार्थियों को योगी आदित्यनाथ के द्वारा प्रदान किया जाएगा।

अशोक सिंघल फाउंडेशन के बीडी जोशी ने बताया कि यह पुरस्कार पिछले 7 वर्षों से दिल्ली में प्रदान किया जा रहा था आठवीं वर्ष की श्रृंखला पहली बार अयोध्या में 5 सितंबर को दिन में 12 बजे कर सेवक पुरम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों से प्रधान कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य वैदिक जगत में सर्वोत्कृष्टता की पहचान करना है। उन्होंने बताया कि प्रथम श्रेणी में तीन लाख रु का पुरस्कार उत्कृष्ट वेदविध्द्यार्थी को प्रदान किया जाता है, द्वितीय श्रेणी में पाँच लाख रु. का पुरस्कार आदर्श वेदाध्यापक को प्रदान किया जाता है तथा तृतीय श्रेणी में सात लाख रु. का उत्तम वेदविद्यालय पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इसके साथ ही अपना सम्पूर्ण जीवन वेद एवं उपांगों के अध्ययन–अध्यापन में समर्पित करने वाले तथा वेदविहित जीवन आचरण करने वाले वयोवृद्ध तथा ज्ञानवृद्ध विद्वान को प्रतिवर्ष वेदार्पित जीवन सम्मान प्रदान किया जाता है।

उन्होंने बताया कि पुरस्कार अपने वाले सर्वश्रेष्ठ तीन विद्यार्थी, तीन अध्यापक और दो विद्यालय का चयन हो गया है अंतिम सूची 4 सितंबर को फाइनल की जाएगी जिसकी घोषणा 5 सितंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। उन्होंने बताया किआयोजित इस कार्यक्रम में पूज्य संत, धर्माचार्य, संघ परिवार से जुड़े पदाधिकारी कार्यकर्ता तथा वैदिक विध्द्वानों के साथ स्व अशोक सिंघल के परिजन उपस्थित रहेंगे। प्रेस वार्ता के दौरना विहिप मिडिया प्रभारी शरद शर्मा, कारसेवक पुरम प्रभारी शिवदास जी मौजूद रहे।

कजली तीज पर्व को लेकर कल दोपहर से 7 सितंबर सुबह 8 तक रहेगा रूट डायवर्जन

संवाददाता–गोण्डा। डीएम नेहा शर्मा ने कर्नलगंज स्थित सरयू घाट पर एसडीएम करनैलगंज को साफ सफाई के साथ प्रकाश की व्यापक व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। गोण्डा–लखनऊ हाईवे से सरयू घाट तक जाने वाली सड़क को लोक निर्माण विभाग या जिला पंचायत द्वारा मोटरेबल कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसी तरह, जिला पंचायत राज अधिकारी को सरयू घाट, पृथ्वीनाथ मंदिर प्रांगण और इसके आसपास की सफाई सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बताया कि श्रद्धालुओं के मंदिर पहुंचने के मार्ग को भी साफ और स्वच्छ बनाया जाएगा। नगर पालिका परिषद गोण्डा, नगर पालिका परिषद करनैलगंज और नगर पंचायत खरगूपुर को दुःखहरण नाथ मंदिर, सरयू घाट और पृथ्वीनाथ मंदिर पर पीने के योग्य पानी की अतिरिक्त व्यवस्था कराने के निर्देश दिए गए हैं। इन तीनों स्थानों पर जीवन रक्षक औषधियों और एम्बुलेंस के साथ कुशल डॉक्टरों की मेडिकल टीम मौजूद रहेगी। दुःखहरण नाथ मंदिर पर सकुशल जलाभिषेक कराने के लिए मजबूत बैरीकेडिंग की व्यवस्था की जाएगी। वहीं, सरयू घाट पर श्रद्धालुओं को नदी के गहरे जल में स्नान करने और जल भरने से रोकने के लिए नेटयुक्त वाटर बैरीकेड्स लगाए जाएंगे।

जनपद मुख्यालय पर पहुंचने वाले यातायात को डायवर्ट करने का फैसला लिया गया है। यह डायवर्जन 4 सितम्बर दोपहर 12 बजे से 7 सितम्बर सुबह 8 बजे तक प्रभावी रहेगा। जनपद बाराबंकी की ओर से जनपद बलरामपुर जाने वाले सभी भारी मालवाहक वाहन जरवल रोड से कैसरगंज, पयागपुर होते हुए श्रावस्ती, बलरामपुर और उतरौला जाएंगे। उतरौला, बलरामपुर से लखनऊ जाने वाले भारी वाहन बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, पयागपुर, कैसरगंज और जरवल रोड होते हुए बाराबंकी जाएंगे। जनपद बहराइच से अयोध्या जाने वाले भारी वाहन श्रावस्ती, बलरामपुर, उतरौला, डुमरियागंज और बस्ती होते हुए अयोध्या जाएंगे। जनपद अयोध्या से बहराइच और बलरामपुर जाने वाले भारी वाहन अयोध्या, बस्ती, डुमरियागंज, उतरौला, बलरामपुर और श्रावस्ती होते हुए बहराइच जाएंगे। जनपद मुख्यालय पर इस दौरान भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। अति आवश्यक सेवाओं के लिए भारी वाहन आवश्यकतानुसार बलरामपुर, उतरौला या नवाबगंज (लोलपुर) से प्रवेश करेंगे।

छोटे व हल्के वाहन जनपद लखनऊ, बाराबंकी से बलरामपुर और उतरौला जाने वाले हल्के वाहन जरवल रोड, कैसरगंज, पयागपुर, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर और उतरौला जाएंगे। जनपद लखनऊ, बाराबंकी से गोण्डा आने वाले हल्के वाहन जरवल रोड से भंभुआ के रास्ते से दाहिने भौरीगंज होते हुए परसपुर–डेहरास गोण्डा जाएंगे। जनपद गोण्डा के हल्के वाहनों के अतिरिक्त अन्य किसी प्रकार के वाहनों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। लखनऊ से गोण्डा आने वाले हल्के वाहन लखनऊ, अयोध्या होते हुए लोलपुर से जनपद में प्रवेश करेंगे। सरयू घाट करनैलगंज से गोण्डा–बड़गांव चौराहा तक, करनैलगंज से आर्यनगर, खरगूपुर से आर्यनगर, गोण्डा–बहराइच मार्ग सभी प्रकार के वाहनों के लिए पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। गोण्डा से लखनऊ जाने वाले हल्के वाहन नवाबगंज, अयोध्या होते हुए लखनऊ जाएंगे। वैकल्पिक मार्ग के रूप में अम्बेडकर चौराहा, जेल रोड, डेहरास, परसपुर, भौरीगंज, भंभुआ होते हुए जरवल रोड बाराबंकीध्लखनऊ जा सकेंगे। बहराइच–बलरामपुर से अयोध्या जाने वाले हल्के वाहन बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, उतरौला, मनकापुर, कोल्हमपुर होते हुए लोलपुर (नवाबगंज) अयोध्या जाएंगे। इसी प्रकार अयोध्या से बहराइच जाने वाले हल्के वाहन लोलपुर, कोल्हमपुर, मनकापुर, उतरौला, बलरामपुर और श्रावस्ती होते हुए बहराइच जाएंगे। बड़गांव चौराहा–गुरूनानक चौराहा–अम्बेडकर चौराहा–करनैलगंज मार्ग पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। बड़गांव चौराहा से बलरामपुर, बड़गांव चौराहा से उतरौला, बड़गांव चौराहा से अयोध्या, मनकापुर हल्के वाहनों के लिए खुले रहेंगे।

गोपाल मंदिर में मनाई कुशोत्पाटिनी अमावस्या

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या सोमवार और उदयातिथि में मंगलवार को मनाई गई कुशोत्पाटिनी अमावस्या।कुशोत्पाटिनी अमावस्या का मतलब है कि कुश का उखाड़ना। आज के दिन कुश को विधिवत तरीके से उखाड़ा जाता है। इस कुश का इस्तेमाल पूरे साल देवी–देवता और पितरों की पूजा के लिए किया जाता है। इसके अलावा शादी–विवाह, मांगलिक कार्यों आदि में किया जाता है। भाद्रपद अमावस्या के दिन स्नान–दान करने का विशेष महत्व है।कुशोत्पाटिनी अमावस्या गोपाल मंदिर में मंदिर के महंत विशंभर दास महाराज के संयोजन में प्रत्येक वर्ष हर्षोल्लास साथ मनाया जाता है इस दिन संत महंत वैदिक विद्वान कुश को पूजन अर्चन के साथ उखाड़ करके अपने घर लाते हैं और इस उत्सव को और गति देने के लिए श्री महाराज जी ऐसे संतो महंतों और विद्वान जनों को प्रत्येक वर्ष प्रसाद ग्रहण करते हैं जिसमें हजारों की संख्या में संत महंत वैदिक आचार्य सम्मिलित होते हैं।

गोपाल मंदिर के आचार्य वीरेंद्र कुमार द्विवेदी ने बताया कि वैदिक सनातन धर्म में कुशोत्पाटिनी अमावस्या का बड़ा महत्व है इस दिन स्नान ध्यान करके प्रत्येक व्यक्ति को दान देना चाहिए और अपने नित्य कर्म के लिए कुछ को उखाड़ करके घर लाना चाहिए जिससे वह पूरे वर्ष भर सभी धार्मिक अनुष्ठान में कुश का प्रयोग कर सकें इस दिन के उखाड़े गए कुश से पूरे साल भर वैदिक विद्वान धार्मिक अनुष्ठान यज्ञ जप पूजा पाठ निरंतर करते हैं और इसी अवसर पर श्री विशंभर दास महाराज संतो महंतों एवं आचार्य गणों को प्रसाद ग्रहण करते है।

रैली निकाल लोगों को किया जागरूक

संवाददाता–महराजगंज। जिलाधिकारी अनुनय झा ने पोषण भी, पढ़ाई भी, विषय पर बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की जनजागरूकता रैली को कलक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पोषण माह–सितंबर 2024 के तहत पोषण रैली कलक्ट्रेट परिसर से शुरू होकर उद्योग चौराहे पर समाप्त हुई। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि रैली एक सितंबर से 30 सितंबर तक राष्ट्रीय पोषण माह के तहत जनजागरूकता के लिए आयोजित की गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इस वर्ष सितंबर में आयोजित किए जाने वाले पोषण माह के अंतर्गत एनीमिया (टेस्ट, ट्रीट, टॉक), वृद्धि निगरानी, ऊपरी आहार, पोषण भी पढ़ाई भी (पीबीपीबी) और बेहतर प्रशासन के लिए प्रौद्योगिकी जैसे विषयों पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों को बच्चों, गर्भवती महिलाओं और किशोरियों के उचित पोषण के विषय में जागरुक किया जाना है।

इस वर्ष के राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान मुख्य रूप से पोषण से संबंधित सामाजिक व्यवहार परिवर्तन और संचार व सामुदायिक सहभागिता पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उक्त अभियान के अंतर्गत छह वर्ष से कम आयु के बच्चे, गर्भवती महिलाओं, धात्री, किशोरी बालिकाओं के पोषण स्तर में सुधार किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि समस्त कन्वर्जेंस विभागों के साथ समन्वय एवं सहयोग करते हुए पोषण आधारित जीवन चक्र के महत्वपूर्ण चरणों जैसे गर्भावस्था, शैशवावस्था, बचपन व किशोरावस्था में पोषण के संबंध में जनजागरूकता लाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार–प्रसार करें। लोगों को इस संदर्भ में सभी जरूरी जानकारियों से अवगत कराएं व उनको उचित आहार लेने के लिए प्रेरित करें। इस दौरान अपर जिलाधिकारी डॉ. पंकज कुमार वर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी दुर्गेश कुमार, सीडीपीओ सदर विजय प्रकाश आदि मौजूद रहे।

कस्तूरबा की 16 बच्चियां गंभीर बीमारियों से पीड़ित

संवाददाता–महराजगंज। क्षेत्र के कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय गडौरा में पढ़ने वाली बच्चियों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आयोजित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम में जांच की गई। जांच के दौरान 16 बच्चियां कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित मिलीं। उन्हें बीमारी से सुरक्षित रहने के लिए महिला डॉक्टरों की ओर से सलाह के साथ ही दवा देकर विद्यालय भेज दिया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. अंग्रेस सिंह ने बताया की अस्पताल पर राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में स्वास्थ्य परीक्षण के लिए कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय गड़ौरा की बच्चियों को अस्पताल बुलाया गया था। जहां पर डॉ. अंजली सिंह की ओर से बच्चियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। डॉ. अंजली सिंह ने कहा की बच्चियों की हिमोग्लोबिन सहित कई तरीके की बीमारियों की जांच की गई। इस दौरान एक छात्रा टाइफाइड बुखार से पीड़ित मिली, जबकि 11 बच्चियां अन्य बीमारियों से पीड़ित मिलीं। वहीं चार बच्चियां नजर दोष से पीड़ित मिली।

100 से अधिक बेरोजगार युवकों से की थी ठगी, 8 ठग गिरफ्तार, खोल रखे थे फर्जी ऑफिस

संवाददाता–कुशीनगर। विदेश में रोजगार दिलाने के नाम पर एक करोड़ से अधिक ठगी करने के आरोप में आठ लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट ने उन्हें जेल भेज दिया। इन पर पडरौना के सोहरौना में अवैध तरीके से ऑफिस खोलकर बेरोजगार युवकों से ठगी का आरोप है। इनके पास से तीन लाख रुपये, 225 पासपोर्ट, 22 सिमकार्ड, अलग–अलग देशों के फर्जी मुहर, मेडिकल सर्टिफिकेट और कंप्यूटर, प्रिंटर के अलावा सैकड़ों कूटरचित दस्तावेज बरामद किए गए हैं। इस गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों की तलाश में पुलिस जुटी है। शहर में सोहरौना चौराहे पर अंबे इंटरप्राइजेज के नाम से ऑफिस खोलकर 100 से अधिक बेरोजगार युवकों को विदेश में रोजगार दिलाने के नाम पर एक करोड़ से अधिक ठगी की गई। अलग–अलग देशों का फर्जी वीजा और जहाज का टिकट भी दे दिया था। ठगी कर शिकार कुछ युवकों ने इसकी शिकायत रविंद्र नगर थाने की थी। साइबर टीम की मदद से पुलिस ठगी के आरोपियों की तलाश में जुटी थी।

इस दौरान बिहार के सिवान जिले गोरेयाकोठी थाना क्षेत्र के सिसई निवासी मनोज कुमार यादव उर्फ राहुल राय व संजय कुमार यादव पुत्रगण दुलारचंद यादव, हुसैनगंज थाना क्षेत्र के खैराती गांव निवासी राजेश कुमार उर्फ संतोष गुप्ता पुत्र भिंडर सिंह उर्फ रविंद्र राजभर, जामो थाना क्षेत्र के बिश्वंभर गांव निवासी विकास कुमार यादव उर्फ अमित कुमार पुत्र जगलाल यादव, इसी गांव के विकास कुमार यादव उर्फ अमित कुमार पुत्र जगलाल यादव, जामो थाना क्षेत्र के मिथिलेश कुमार यादव पुत्र जगलाल यादव, जामो थाना क्षेत्र के ही खोड़ी पालड़ जद्दी टोला के पारसपट्टी निवासी विनय कुमार यादव पुत्र जितेंद्र यादव और झारखंड के रांची जिले के नामकुम थाना क्षेत्र के कुमबरगांवा गांव निवासी पीतांबर उर्फ अभिजीत राव पुत्र परमेश्वर राव को गिरफ्तार किया।

एसपी संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि यह गिरोह काफी दिनों से शहर में फर्जी ऑफिस खोलकर बेरोजगारों से ठगी करता था। बिहार से लेकर उत्तर प्रदेश के कई जिलों में इस गिरोह के सदस्य सक्रिय हैं।

ठगों के पास से पुलिस ने पासपोर्ट और नकदी के अलावा एक स्कार्पियो, एक बाइक, तीन लैपटॉप, एक सीपीयू, एक प्रिंटर,13 मोबाइल फोन, दर्जनों फर्जी ऑफर लेटर और रिज्यूम क्यूआर कोड, एक की बोर्ड, 20 फर्जी मुहरें, 22 फर्जी सिम कार्ड, चेकबुक, एटीएम कार्ड, पीड़ित लोगों के बंधक पासबुक, मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र समेत अन्य कागज बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, कुशीनगर के अलावा, महराजगंज, गोरखपुर, देवरिया, बलिया, संतकबीरनगर और बिहार के पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, सिवान समेत कई जिले के बेरोजगार युवक ठगी का शिकार हो चुके हैं।

शिक्षक ने छात्रा को पीटा, पूछने गई मां, भाई और बहन को भी नहीं बख्शा

संवाददाता–कुशीनगर। रामकोला थाना क्षेत्र के अहिरौली कुस्महीं गांव के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में पढ़ने वाली कक्षा छह की एक छात्रा की किसी बात को लेकर शिक्षक ने पिटाई कर दी। इसकी जानकारी जब परिजनों को हुई तो मां के साथ छात्रा के भाई, बहन भी पहुंच गए, जहां शिक्षक ने उन तीनों को भी नहीं बख्शा। छात्रा समेत मां, व भाई–बहन भी पिटाई से घायल हो गए। तीनों को रामकोला सीएचसी में भर्ती कराया गया। इलाज के बाद डॉक्टरों ने सभी को घर भेज दिया। वहीं, घटना की जानकारी के बाद विद्यालय पहुंचे गांव के लोगों और शिक्षक के बीच नोकझोंक भी हुई।

भूमि विवाद में किसान की गोली मारकर हत्या

संवाददाता–गोंडा। तरबगंज क्षेत्र के पकड़ी दूबेपुरवा गांव में भूमि विवाद को लेकर दिनदहाड़े किसान की ताबड़तोड़ दो गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। गोलियों की तड़तड़ाहट से आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई। हत्या की सूचना पर दो थानों की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। एसपी विनीत जायसवाल, एएसपी (पश्चिमी) व सीओ तरबगंज ने भी मौके पर पहुंचकर लोगों से जानकारी ली। मृतक के पिता ने आरोपी सेवानिवृत्त फौजी समेत चार के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस आरोपी सेवानिवृत्त फौजी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। उमरी बेगमगंज थाना क्षेत्र के ताराडीह डीहा गांव निवासी दलित प्रहलाद भारती ने बताया कि गांव के ही लाला पुरवा के रहने वाले सेवानिवृत्त फौजी अरुण सिंह से उनका भूमि विवाद चल रहा है। प्रहलाद के मुताबिक उनका बेटा रमेश भारती (50) सोमवार दोपहर करीब तीन बजे साइकिल लेकर घर से निकला था। वह तरबगंज के पकड़ी दूबेपुरवा के पास खड़ंजा मार्ग पर पहुंचा था। तभी पीछे से आए बाइक सवार सेवानिवृत्त फौजी अरुण सिंह ने उनके बेटे पर तमंचे से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। दो गोलियां उसके सीने पर लगीं। बचने के लिए रमेश भागा और कुछ दूर बाद खेत में गिर गया। इसी बीच हमलावर बाइक से भाग गया। गोलियां चलने की आवाज सुनकर गांव के लोग मौके पर पहुंचे और रमेश को सीएचसी पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हत्या की सूचना पर सीओ तरबगंज विनय कुमार सिंह, कोतवाल तरबगंज राजेश सिंह व उमरी बेगमगंज कोतवाल नरेंद्र प्रताप राय मौके पर पहुंचे। पुलिस को मौके पर कारतूस के दो खोखे मिले हैं। बाद में एसपी व एएसपी (पश्चिमी) ने भी मौके पर पहुंचकर लोगों से वारदात के बारे में जानकारी ली।

एएसपी राधेश्याम राय ने बताया कि भूमि विवाद में किसान की हत्या हुई है। प्रहलाद भारती की तहरीर पर सेवानिवृत्त फौजी अरुण सिंह व तीन अन्य के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है। आरोपी अरुण सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। ताराडीह के डीहा निवासी रमेश भारती के घर के पास स्थित आबादी की भूमि से सेवानिवृत्त फौजी अरुण सिंह और उसके परिवार के लोग जबरन रास्ता चाहते थे। इसको लेकर गांव में पंचायत हुई थी। जिसके बाद रमेश ने रास्ता दे दिया था। वर्ष 2022 में अरुण सिंह उसी रास्ते पर खड़ंजा लगवाने लगा। रमेश के विरोध करने पर दोनों पक्षों में मारपीट हुई थी। इस पर अरुण सिंह ने रमेश के परिवार के लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया था। इसी रंजिश में रमेश की हत्या कर दी गई।

पूर्वाचार्य महंत जयराम दास महाराज को संतों ने किया नमन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्रीरामजन्मभूमि दर्शन मार्ग पर स्थित प्रसिद्ध लवकुश मंदिर के पूर्वाचार्य महंत जयराम दास महाराज के 22 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मंगलवार को लव–कुश मंदिर के वर्तमान महान रामकेवल दास के संयोजन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें अयोध्यानगरी के संत–महंतों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। साथ ही उनके कृतित्व–व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। महंत रामकेवल दास महाराज ने कहा कि उनके गुरूदेव भजनानंदी संत थे और उनका व्यक्तित्व बहुत सरल था। यही कारण था कि रामनगरी के संत–महंत उनका आदरपूर्वक सम्मान करते थे। उन्होंने आश्रम का सर्वांगीण विकास किया। मैं भी गुरूदेव के बतलाए हुए मार्ग पर चलकर मंदिर के उत्तरोत्तर विकास में कृत–संकल्पित हूं। श्री दास ने बताया कि पुण्यतिथि कार्यक्रम के क्रम में सर्वप्रथम प्रातरूकाल साकेतवासी महंत की प्रतिमा पर पंचामृत से अभिषेक हुआ। तत्पश्चात नवीन वस्त्र धारण कराकर आरती–पूजन किया गया। उसके बाद संत–महंत और भक्तगणों ने प्रसाद ग्रहण किया। अंत में वर्तमान महंत ने आए हुए संतों एवं अतिथियों का स्वागत–सत्कार किया। पुण्यतिथि के अवसर पर हनुमानगढ़ी के शीर्ष महंत ज्ञानदास महाराज के उत्तराधिकारी संजय दास, हनुमानगढ़ी के पुजारी हेमंत दास , बड़ा भक्तमाल के महंत अवधेश कुमार दास,कनक महल महंत सीताराम दास महात्यागी, रामकचेहरी महंत शशिकांत दास, पत्थर मंदिर महंत मनीष दास, महंत माधवदास रामायणी, डॉ. महेश दास, महंत रामकुमार दास, प्रेममूर्ति कृष्णकांत दास, कृष्णकुमार जयपुरिया खलीलाबाद, महंत शिवराम दास, नागा रामलखन दास, पार्षद पुजारी रमेश दास, ओम दास, संतदास आदि उपस्थित रहे।

पढ़ाने की नई तकनीक सीख रहे शिक्षक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
पौली (संतकबीर नगर)। पौली विकास क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय शनिचरा बाजार के सभागार में एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमरेसी) प्रशिक्षण का प्रथम बैच का चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ खण्ड शिक्षाधिकारी अर्जुन प्रसाद वर्मा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। शिक्षकों को संबोधित करते हुए खण्ड शिक्षाधिकारी ने कहा कि इस प्रशिक्षण से बुनियादी भाषा एवं गणितीय दक्षताओं को हासिल करने में सुलभता मिलेगी। प्राथमिक स्तर के सभी शिक्षक व शिक्षामित्रों को प्रशिक्षित किया जा रहा। जिससे बच्चे सुगमता से सीख सके। शिक्षक विद्यालय में जा कर शिक्षण के दौरान टीएलएम का उपयोग अवश्य करे। जिससे बच्चे आसानी से सीख सके। साथ ही साथ भाषा एवं गणित की शिक्षक संदर्शिका का उपयोग अवश्य करे। इसमे किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरते। प्रथम एवं द्वितीय बैच मे पचास –पचास शिक्षको का ग्रुप बना कर दो कक्षा कक्षों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। संदर्भदाता एआरपी राजेंद्र यादव, हरीराम यादव, अजय कुमार, राजेश गुप्ता व दिलीप कुमार ने प्रतिभागियों को शिक्षक संदर्शिका आधारित भाषा–गणित शिक्षण की वार्षिक, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा 2022 के निदेशक तत्वो, वार्षिक साप्ताहिक व दैनिक कार्ययोजना सहित अन्य विधाओं की जानकारी दी गयी।

कार्यक्रम में आर्दश मणि त्रिपाठी, भोलेंद्र यादव, राकेश, नरेंद्र, खालिद, विपिन कुमार, गंगेश चतुर्वेदी, दीपक यादव, रंजीत कुमार, पराग सिंह, अजय कुमार, शिव बचन पाल, इफ्तेखार अहमद, मो० आजम, प्रिन्स कुमार, राम मोहन शुक्ला, राजकुमार, वृजभान, राजेश विश्वकर्मा, हरिशंकर चौधरी, रतिभान चौधरी, एकता गोस्वामी, पूनम यादव, मनीषा मिश्रा सहित तमाम शिक्षक व शिक्षामित्र मौजूद रहे।

पोषण माह के लिये कार्यशाला, प्रशिक्षण के साथ दिलायी शपक्ष, निकाली रैली

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
विक्रमजोत (बस्ती)। विक्रमजोत ब्लॉक सभागार में मंगलवार को बाल विकास परियोजना विक्रमजोत की सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की पोषण माह अभियान के तहत एक कार्यशाला आयोजित हुआ। खंड विकास अधिकारी विक्रमजोत सुशील कुमार कौशल की अध्यक्षता में बाल विकास परियोजना अधिकारी विक्रमजोत बलराम सिंह द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में बाल विकास परियोजना अधिकारी बलराम सिंह ने भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पोषण महीने सितंबर के लिये दी गयी गाइडलाइन के अनुसार पूरे माह को चार सप्ताह में वितरित करके उनके अलग–अलग कार्यो पर विस्तार से आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को जानकारी दिया जिसमें प्रथम सप्ताह में वृद्धि निगरानी पर जोर देने की बात कही। दूसरे सप्ताह में बेहतर प्रशासन के लिये नई प्रौद्योगिकी पर बल दिया गया तीसरे सप्ताह में पोषण की पढ़ाई तथा कार्यक्रम पर विस्तार से चर्चा करते हुये खेल आधारित शिक्षा देने के लिए उपस्थित समस्त आंगनबाड़ियों का आह्वान किया गया चौथे सप्ताह का लक्ष्य एनीमिया उन्मूलन बताया गया जिसमें टेस्ट ट्रीट और टॉक के माध्यम से एनीमिया उन्मूलन पर चर्चा किया इसके साथ–साथ पूरे माह ऊपरी आहार तथा साथ–साथ मां के दूध पर विशेष ध्यान देने के लिये जानकारी दिया गया साथ ही स्थानीय खाद्य पदार्थों के माध्यम से ऊपरी आहार व्यंजनों को पकाने के प्रदर्शन पर भी जोर दिया गया। मौसमी और क्षेत्रीय तथा पारंपरिक खाद्य पदार्थ और मोटे अनाज पर जन जागरूकता फैलाने के लिए कार्यशाला में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को जानकारी दिया गया पोषण माह की कार्यशाला में रॉकेट लर्निंग के लिये जिले के प्रशिक्षक ज्ञानेंद्र श्रीवास्तव ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को विशेष प्रशिक्षण अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन पर विशेष रूप से प्रशिक्षण दिया।

कार्यशाला के समापन पर सीडीपीओ बलराम सिंह व खंड विकास अधिकारी विक्रमजोत सुनील कुमार कौशल पोषण अभियान की शपथ सभी ऑगनवाड़ी कार्यकत्रियों को दिलाया गया। ब्लॉक परिसर से सीडीपीओ बलराम सिंह के नेतृत्व में सभी विक्रमजोत परियोजना की कार्यकत्रियों ने पोषण रैली निकाली जो बाल विकास परियोजना कार्यालय पर समाप्त हुआ।

जहरीले नाग ने काटा, गोद में बेटी, बोरी में सांप लेकर आए अस्पताल, मौत

संवाददाता–गोरखपुर। सहजनवां थाना क्षेत्र के नगर पंचायत घघसरा में रहने वाली एक 11 वर्ष की बच्ची के कान पर मंगलवार की भोर में जहरीले सांप ने काट लिया। घटना देख परिजनों ने सांप को मारकर एक झोले में रखा और बच्ची को साथ लेकर संतकबीरनगर के एक अस्पताल में पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने बच्ची की हालत देख बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर किया। मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार, पंचायत घघसरा के वार्ड नंबर 10 जगदीशपुरम निवासी शिवदास निषाद की बेटी खुशी (11) घर वालों के साथ छत पर सोई हुई थी। मंगलवार भोर में करीब चार बजे खुशी के कान में जहरीला सांप ने काट लिया। जब उसे अहसास हुआ तो उसने अपने कान से सांप को झटकर फेंक दिया और चिल्लाकर घरवालों को जगाया।

घरवाले तत्काल सांप को मारकर बोरी में रख लिए और खुशी को लेकर संतकबीर नगर के एक अस्पताल में पहुंचे। जहां पर डॉक्टरों को सांप को भी दिखाया। डॉक्टरों के अनुसार जहरीला सांप था। जिसके काटने से लगातार खुशी की तबीयत बिगड़ रही थी। इसलिए उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। खुशी तीन बहनों और एक भाई में सबसे बड़ी थी। उसकी मौत के बाद घर में मातम छा गया।

सैलरी कटने से गुस्साए प्रोफेसर ने विभाग का गेट बंद किया, चीफ प्राक्टर- डीन से बहस, सस्पेंड

संवाददाता–गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में सोमवार को घमासान मच गया। सीनियर प्रोफेसर जोन्नाडा एवी प्रसादा राव ने डीडीयू प्रशासन पर मनमानी कर चार दिन का वेतन काटने का आरोप लगाते हुए हंगामा खड़ा कर दिया। सुबह 9 बजे पहुंचकर विभाग का गेट बंद कर दिया। गेट खोलने गए चीफ प्रॉक्टर प्रो. सतीश चन्द्र पाण्डेय से धक्का–मुक्की की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। कुलसचिव और डीन साइंस प्रो. शांतनु रस्तोगी से भी जमकर बहस हुई। डीडीयू प्रशासन ने प्रो. राव को निलंबित कर दिया है। बायोटेक्नोलॉजी विभाग में पहुंचकर प्रोफेसर द्वारा हंगामा करने की सूचना के बाद कैंट थाने की पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद पुलिस और एलआईयू की टीम वहां पहुंची। इस दौरान विभिन्न विभागों के शिक्षक भी वहां पहुंचकर प्रो. जोन्नाडा से बात करते दिखे। बताते हैं कि प्रो. दिनेश यादव अपने रिसर्च लैब में विद्यार्थियों के साथ शोध कार्य कर रहे थे। वहां पहुंचकर बहस शुरू कर दी। इसके बाद प्रो. दिनेश और विद्यार्थी बाहर निकल आए। इसके बाद कर्मचारियों से गेट बंद कराकर प्रो. जोन्नाडा गेट पर ही खड़े हो गए।

सुबह करीब साढ़े 10 बजे के बाद छात्रों के पहुंचने पर हंगामा बढ़ने लगा। इस बीच छात्रों और सम्बंधित शिक्षकों को ही कक्षाओं में जाने के लिए प्रो. जोन्नाडा ने छूट दी। इसके बाद ही शिक्षक और कर्मचारी बायोमीट्रिक हाजिरी लगा सके। बायोटेक्नोलॉजी के प्रो. जोन्नाडा के मुताबिक पिछले दो वर्षों से उनका ऑनलाइन आईडी और पासवर्ड ब्लॉक कर दिया गया है। इसी वजह से समर्थ पोर्टल पर भी वे छुट्टी के लिए आवेदन नहीं कर पा रहे हैं। इस वजह से उन्हें छुट्टी के लिए ऑफलाइन आवेदन करना होता है। बीते 20 से 23 अगस्त तक वे अवकाश पर थे। उन्होंने इस अवकाश के सम्बंध में विभागीय कर्मचारी को आवेदन पत्र देकर विभागाध्यक्ष को सौंपने के लिए कहा था। अब वेतन जारी होने पर पता चला कि चार दिन का सीएल स्वीकृत नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि जब तक न्याय नहीं मिलेगा, तब तक वे यहां से हटेंगे नहीं। उन्होंने डीडीयू प्रशासन पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

कुलपति को समस्याओं को लेकर 69 बार भेजा रिमाइंडर प्रो. जोन्नाडा ने दावा किया कि उन्होंने कई समस्याओं को लेकर कुलपति को एक साल पहले पत्र लिखा था। उसके बाद 69 बार रिमाइंडर भेज चुके हैं। लेकिन उनकी समस्याओं का संज्ञान नहीं लिया जा रहा है। कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी के मुताबिक, करीब दो वर्ष पूर्व तत्कालीन कुलपति प्रो. राजेश सिंह के कार्यकाल से ही इनकी आईडी व पासवर्ड ब्लॉक थी। पूर्व कुलपति के कार्यकाल में 11 दिनों का वेतन बाधित हुआ था। वर्तमान कुलपति के आदेश पर वह वेतन जारी किया गया था। समर्थ पोर्टल पर कार्य शुरू होने के बाद आईडी और पासवर्ड प्रो. जोन्नाडा के ईमेल पर भेज दी गई थी। अवकाश का आवेदन भी प्रो. जोन्नाडा के लौटने के बाद प्राप्त हुआ है।

डीडीयू प्रशासन ने निलंबन के सम्बंध में जारी विज्ञप्ति में आरोप लगाया है कि प्रो. जोन्नाडा ने सुबह कार्यालय खुलने के समय विभागीय, शैक्षणिक एवं कार्यालयी कार्यों में बाधा उत्पन्न की। रिसर्च लैब में कार्य कर रहे एक प्रोफेसर को अपशब्द कहते हुए लैब के दरवाजे को लात मारकर क्षतिग्रस्त कर बाहर निकलने पर विवश कर दिया। उसके बाद विभाग के गेट पर ताला जड़कर विद्यार्थियों और अन्य विभागीय शिक्षकों का विभाग में प्रवेश कार्य अवरूद्ध कर दिया। कुलपति के आदेश के अनुपालन में विश्वविद्यालय परिनियम के प्रावधानों के तहत प्रो. जोन्नाडा को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। उन्हें नियंता कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया गया है। विभाग में उनका प्रवेश वर्जित कर दिया गया है।

प्रो. जोन्नाडा विभागीय गेट के सामने सुबह बैठे तो फिर जमे ही रहे। शाम ढलने के बाद भी विभागीय गेट बंद नहीं होने पर नियंता मंडल के सदस्य और पुलिसकर्मी वहां फिर पहुंचे। रात करीब आठ बजे के बाद बायोटेक्नोलॉजी विभाग बंद हुआ। बताते हैं कि वहां से पुलिसकर्मियों ने उन्हें कड़ी मशक्कत के बाद वहां से निकाला।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नं0मु0–321/2021
धारा– 30 उ0प्र0रा0संहिता 2006
अदालत– श्रीमान अपर जिला मजिस्ट्रेट सिद्धार्थनगर
राममिलन
बनाम
सरकार आदि
1. मुरली पुत्र झिन्नू 2. धर्मराज पुत्र विन्दा 3. अवधराज 4. संतराम पुत्रगण स्व0 नरेश समस्त साकिनान भकुरहवा तप्पा कोड़री परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
तारीख पेशी 20–09–2024
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 20 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 02 माह 09 सन 2024 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्आलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0– 107/2019
विजय आरती
बनाम
रामचन्दर
रामकिशन पुत्र राम तिरथ साकिन औरंगाबाद तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 09–09–2024
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।
लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 09 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबावदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 82/2024
अवधेश प्रसाद तिवारी–सायल
1 अवधेश प्रसाद तिवारी उम्र लगभग 40 साल पुत्र स्व0 जगदीश प्रसाद तिवारी निवासी मौजा रमदेइया तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 10–09–2024
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद
हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 10–09–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 538/2022
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
श्रीमती सुमित्रा देवी आदि
बनाम
श्री राम सागर मिश्र आदि
1. श्री राम सागर मिश्र पुत्र स्व0 रामलाल मिश्र निवासी मौजा अटदेउरा पो0 दमया परसा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती 2. श्रीमती शीला त्रिपाठी पत्नी श्री रणविजय त्रिपाठी साकिन साड़ीकला तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती 3. राम प्रताप पुत्र अलगू साकिन कनकपुरवा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम पो0–दमया परसा तहसील रूधौली जिला–बस्ती 4. श्रीमती सुमित्रा पत्नी श्री बनारसी निवासी मौजा कड़सी तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती 5. गुलाम हुसैन 6. गुलाम अली पुत्रगण श्री स्व0 इलाके साकिनान मौजा कनकपुरवा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती
तारीख पेशी 16–10–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 16 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 1356/2021
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
फतेह मोहम्मद
बनाम
मुईज आदि
1. मुईज अहमद 2. जफर अहमद पुत्रगण मोहम्मद मुस्लिम साकिनान लोहटी तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
3. अदील अहमद 4. सुहेल अहमद पुत्रगण मोहम्मद मुस्लिम साकिन लोहटी तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 5. जुबेर अहमद पुत्र मोहम्मद मुस्लिम साकिन लोहटी तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती हाल मुकाम मौजा बाघ नगर तप्पा उजियार परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीर नगर 7. मुनीर अहमद 8. मुतीन अहमद पुत्रगण बशीर अहमद साकिनान मौज बाघ नगर तप्पा उजियार परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीर नगर
–प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग
तारीख पेशी 09–09–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 09 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 262/2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
ओम प्रकाश आदि
बनाम
अवधेश कुमार आदि
1. अवधेश कुमार पुत्र मनिराम 2. रामशंकर 3. रामचेत पुत्रगण बुद्धिराम निवासीगण ग्राम नौली पोस्ट उमरिया तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील वो जिला–बस्ती
तारीख पेशी 15–10–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 15 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी, विकास खण्ड शोहरतगढ, सिद्धार्थनगर।

पत्रांक/प्रेस–नोट/196–97/2024–25 दिनाक 02 सितम्बर 2024।

प्रेस विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सिद्धार्थनगर के पत्रांक/एस०एस०ए०/निर्माण / 3275–77 दिनांक 2024–25 दिनांक 06 अगस्त 2024 द्वारा कम्पोजिट पू०मा०वि० सीतारामपुर विकास खण्ड–शोहरतगढ़ के परिसर में स्थित भवनों को निम्नलिखित विवरण के अनुसार नीलाम किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है–

क्रम सं0	भवन का प्रकार	मलबे के निस्तारण से प्राप्त धनराशि
1	मूल भवन	17618.00
2	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	47063.70
3	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	49697.76
4	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	53886.26
5	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	37893.00

उपरोक्तानुसार नीलामी की कार्यवाही दिनाक 10.09 2024 को प्रातः 11 बजे ब्लाक संसाधन केन्द्र शोहरतगढ़ में की जायेगी। बोली लगाने के इच्छुक व्यक्ति /संस्था निर्धारित मूल्य का 25 प्रतिशत नीलामी समिति के पास नकद जमा कर दें। अधिकतम बोली लगाने वाले के पक्ष में भवन को नीलाम कर दिया जायेगा और शेष समस्त व्यक्तियो /संस्था की जमा धनराशि उसी दिन वापस कर दी जायेगी।

कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी
शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर।

गोरखपुर से गोंडा के बीच रेलवे ट्रैक का मेगा ब्लॉक, 22 ट्रेनें रद्द

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर गोंडा के बीच मेगा ब्लॉक के चलते मंगलवार और बुधवार को गोरखपुर स्टेशन पर कुछ ट्रेनों का प्लेटफार्म बदल दिया गया है। जबकि 22 ट्रेनें निरस्त की गई हैं और 15 का रूट बदला गया है। वैशाली समेत जो ट्रेन प्लेटफार्म नंबर एक से चलती है वह दो दिन के लिए दो नंबर से चलाई जाएगी। इसके अलावा शाम के वक्त अगर भीड़ बढ़ी तो प्लेटफार्म नंबर दो की ट्रेनों को उस वक्त खाली किसी प्लेटफार्म पर शिफ्ट कर दिया जाएगा। सहरसा से नई दिल्ली जाने वाली वैशाली और बरौनी–नई दिल्ली स्पेशल 3 व 4 सितंबर को प्लेटफार्म नंबर दो से जाएगी। जबकि न्यू जलपाई गुड़ी–नई दिल्ली एक्सप्रेस को प्लेटफार्म नंबर दो या उपलब्धता के आधार पर प्लेटफार्म नंबर तीन से चलाने की योजना है। अन्य प्लेटफार्म पर कोई बदलाव अभी प्रस्तावित नहीं है, लेकिन शाम को अगर ट्रेनों की भीड़ होती है तो कुछ गाड़ियों के प्लेटफार्म बदले भी जा सकते हैं रूट ब्लॉक सिस्टम लागू होने पर दो स्टेशनों के बीच एक से अधिक ट्रेनों का संचालन आगे–पीछे हो सकेगा।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नम्बर मुकदमा 2387/2021
धारा– 30 उ0प्र0रा0संहिता 2006
अदालत– श्रीमान एस0डी0एम0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
चन्द्र प्रकाश
बनाम
सरकार आदि
साकिन मौजा तेलियाडीह तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
1. राज्य सरकार जरिये कलेक्टर बस्ती 2. साहबदीन पुत्र चून 3. रामदत्त पुत्र गुदरी 4. राम किशोर पुत्र राम दुलारे 5. कमलेश कुमार पुत्र राम पियारे 6. श्रीमती सवारी देवी पत्नी राम पियारे निवासीगण ग्राम तेलियाडीह तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 06–09–2024
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 06 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com